वन भूमि पर पत्थर माफियाओं का कब्जा !

खास बातें

- उदयपुर में अवैध खदानों से उत्खनन के आरोप
- कार्रवाई में भेदभाव पर उठे सवाल
- पुरानी बंद खदानों से फिर निकाला जा रहा कीमती पत्थर



गरीबों को खदान नहीं, प्रभावशाली लोगों का कब्जा

स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन क्षेत्र में पत्थर निकालने के काम में गरीब और बेरोजगार लोगों को परेशान किया जाता है. कोई व्यक्ति अपनी जमा पूंजी लगाकर खदान तैयार करता है तो उसका पत्थर चोरी होने या काम में बाधा डालने की शिकायतें सामने आती हैं. ऐसे में डेढ़ लाख रुपए तक खर्च करने के बाद भी छोटे कारोबारी वापस लौटने को मजबूर हो जाते हैं. दूसरी ओर प्रभावशाली लोग कथित रूप से वन भूमि की खदानों से लगातार पत्थर निकाल रहे हैं.

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 4 नवम्बर, तहसील क्षेत्र के ग्राम उदयपुर और आसपास के वन क्षेत्र में आरक्षित वन भूमि पर अवैध कब्जे और पत्थर उत्खनन का मामला सामने आया है. आरोप हैं कि प्रभावशाली पत्थर कारोबारी वन विभाग की जमीन पर नई खदानें तैयार कर रहे हैं, वहीं लंबे समय से बंद पड़ी खदानों से भी दोबारा कीमती पत्थर निकाला जा रहा है. हैरानी की बात यह है कि वन विभाग की कार्रवाई के बावजूद कुछ स्थानों पर उत्खनन का काम जारी है. वहीं कार्रवाई में भेदभाव और वन विभाग के कर्मचारियों को धमकाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं.

जानकारी के अनुसार वन विभाग ने कुछ खदानों के आसपास खुदाई कर रास्ते बाधित किए हैं, जिससे वहां फिलहाल उत्खनन रुका हुआ है. लेकिन आरोप हैं कि प्रभावशाली लोगों की खदानों तक पहुंचने वाले रास्ते खुले हैं और वहां जेसीबी मशीनों से सफाई एवं खुदाई कर पत्थर निकालने की तैयारी की जा रही है. कुछ लोगों द्वारा ट्रकों और अन्य वाहनों से कथित रूप से अवैध खदानों का पत्थर दूसरी खदानों में पहुंचाकर वैध दिखाने का खेल भी किया जा रहा है.

वनकर्मियों से अभद्रता, कार्रवाई पर सवाल

वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा पत्थर से भरा ट्रक पकड़े जाने पर कथित तौर पर पत्थर कारोबारियों ने उनके साथ अभद्रता की. कर्मचारियों को धमकाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं. इससे वन भूमि की सुरक्षा और विभागीय अमले की कार्रवाई को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं.स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वन भूमि पर अवैध उत्खनन हो रहा है तो सभी के खिलाफ समान कार्रवाई होनी चाहिए. कुछ लोगों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका भी जताई है. दीपावली के दौरान कथित लेन-देन को लेकर भी चर्चाएं हैं, हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है.अब सवाल यह है कि वन भूमि पर अवैध खदानें कौन तैयार कर रहा है? बिना वैध लीज के पत्थर का परिवहन कैसे हो रहा है? रॉयल्टी की रसीदें किस आधार पर जारी की जा रही हैं? और वनकर्मियों के साथ अभद्रता करने वालों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही ?प्रशासन, वन विभाग और खनिज विभाग को संयुक्त जांच कर वन भूमि की सीमाओं, खदानों, रॉयल्टी रसीदों और पत्थर परिवहन के दस्तावेजों की पड़ताल करनी चाहिए, ताकि अवैध उत्खनन पर रोक लगे और दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो सके.

बिना लीज रॉयल्टी कट्टे मिलने पर भी सवाल

इस पूरे मामले में खनिज विभाग की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं. आरोप हैं कि जिन लोगों के पास खदान की वैध लीज नहीं है, उन्हें भी रॉयल्टी रसीद कट्टे उपलब्ध हो रहे हैं. कुछ कारोबारियों के पास राजस्व भूमि पर लीज होने के बावजूद वहां से पत्थर नहीं निकलता, बल्कि वन क्षेत्र से पत्थर लाकर वैध लीज के नाम पर बाहर भेजे जाने की शिकायतें हैं. ऐसे में प्रशासन के सामने यह जांचने की चुनौती है कि पत्थर कहां से निकाला जा रहा है और कहां भेजा जा रहा है.

निरीक्षण और एसडीएम की कार्रवाई के बाद भी नहीं हटा कब्जा, आनंदपुर उपमंडी में अव्यवस्थाएं बरकरार

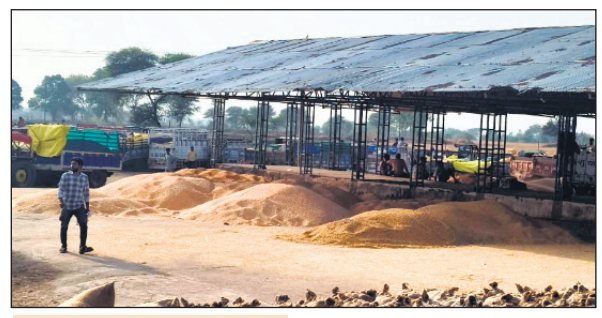

- हमाली के नाम पर एक दिन में 1.65 लाख रुपए वसूली का दावा, 11 से 13 साल के बच्चों से मजदूरी कराने के आरोप
- डिप्टी कलेक्टर ने जांच का दिया भरोसा, अब कलेक्टर से कार्रवाई की उम्मीद

नवभारत न्यूज

आनंदपुर 4 नवम्बर,। किसानों को उपज का उचित मूल्य और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित आनंदपुर उपमंडी में अव्यवस्थाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. व्यापारियों द्वारा नीलामी शेड और मंडी परिसर में अनाज रखकर कब्जा करने, धर्मकांटा के बाद हमाली के नाम पर वसूली, नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराने और मूलभूत सुविधाओं के अभाव जैसी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं.

29 अक्टूबर को नवभारत में खबर प्रकाशित होने के बाद एसडीएम लटेरी ने मंडी का निरीक्षण किया था, लेकिन किसानों का आरोप है कि इसके बावजूद न तो अतिक्रमण हटाया गया और न ही वसूली के मामले में कोई प्रभावी कार्रवाई हुई.खबर प्रकाशित होने के बाद एसडीएम लटेरी ने मंडी पहुंचकर अतिक्रमण की स्थिति देखी और कार्रवाई की बात कही थी. इसके बाद दो-तीन बार मंडी का भ्रमण भी किया, लेकिन नीलामी शेड और परिसर में रखा व्यापारियों का अनाज अब तक नहीं हटाया गया. किसानों का सवाल है कि जब अधिकारियों के निरीक्षण में स्थिति सामने आ चुकी है तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही.

उपमंडी में 11 से 13 वर्ष तक के बच्चों से मजदूरी कराने की शिकायतें भी सामने आई हैं. किसानों का आरोप है कि व्यापारी मजदूरी का खर्च बचाने के लिए बच्चों से काम करा रहे हैं. उन्होंने संबंधित विभाग से जांच कर बाल श्रम कानून के तहत कार्रवाई की मांग की है.किसानों का कहना है कि मंडी में पेयजल, शौचालय और स्नानघर जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है. जिम्मेदार कर्मचारी भी आसानी से उपलब्ध नहीं होते. व्यापारियों के ट्रैक्टर-ट्रॉलियां रास्ते में खड़े रहने से आवागमन बाधित होता है और किसानों को घंटों परेशानी उठानी पड़ती है.डिप्टी कलेक्टर विदिशा नितिन जैन ने कहा कि आनंदपुर उपमंडी की शिकायतें उनके संज्ञान में आई हैं. पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी. अब किसानों की निगाहें कलेक्टर पर टिकी हैं. उनकी मांग है कि अतिक्रमण हटाने, हमाली वसूली और बाल श्रम के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर धरातल पर कार्रवाई की जाए.

दीपावली पर स्वदेशी का संदेश लेकर हाट बाजार पहुंचे एसडीएम-तहसीलदार

नवभारत न्यूज

पठारी. दीपावली पर्व पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुरवाई एसडीएम मोतीलाल अहिरवार एवं पठारी तहसीलदार प्रेमलता पाल हाट बाजार पहुंचे. अधिकारियों ने बाजार का जायजा लेने के साथ स्थानीय दुकानदारों से मिट्टी के दीपक, महुरी, रतालू, सिंघाड़े सहित किसानों की अन्य उपज खरीदी. साथ ही गौमाता को सजाने के लिए सजावटी सामग्री भी खरीदी.इस दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों और नागरिकों से चर्चा कर दीपावली पर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि मिट्टी के दीपक खरीदने से स्थानीय कुम्हारों को रोजगार मिलेगा और उनकी पारंपरिक कला को प्रोत्साहन मिलेगा. वहीं स्थानीय किसानों की उपज खरीदकर उन्हें आर्थिक रूप से सहयोग किया जा सकता है.अधिकारियों की इस पहल से बाजार में स्वदेशी उत्पादों और स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया. इस दौरान आरआई, रोजगार सहायक मुकेश जैन सहित अन्य नागरिक मौजूद रहे.

नाम संबंधी जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक एवं दस्तावेजों दर्ज नाम जरीना वी पुत्री नाजिर उददीन है मेरे समस्त शासकीय एवं व्यक्तिगत दस्तावेज इसी नाम से बने हुये है मुझे परिवार में घर में फैजीन के नाम से पुकारा जाता है इसी कारण से मेरे पुत्र आरिज उददीन के जन्म प्रमाण पत्र में माता के नाम के स्थान पर भूलवश गलती से फैजीन नाम अंकित हो गया है। जबकि फैजीन नाम से मेरा कोई अधिकारिता दस्तावेज उपलब्ध नही है अत यह स्पष्ट किया जाता है कि जरीना वी पत्नि अयाज उददीन पुत्री नाजिर उददीन निवासी ग्राम एवं पोस्ट चिडोरिया जिला विदिशा एवं फैजीन एक ही महिला के नाम है तथा मेरा वास्तविक एवं आधिकारिता नाम जरीना वी है भविष्य में मुझे जरीना वी नाम से ही जाना एवं पहचाना जावे। यह सूचना संबंधित सभी शासकीय एवं गैरशासकीय विभाग तथा सर्वसाधारण के संज्ञान हेतु प्रकाशित की जा रही है। अत: सूचित हो।

इति दिनांक 03/11/2026

भवदीय
रहमत अली एडवोकेट
पता:- कार्यालय जामा मस्जिद हनुमान मंदिर तिलक चौक विदिशा जिला अभिभाषक संघ विदिशा म0प्र0
मो0 नं0 8770366595

साकेत में सजेगा 8500 वर्ग फीट में 'काशी लोक', 5-6 नवंबर को होगा भव्य दीपोत्सव

नवभारत न्यूज

विदिशा. साकेत शिक्षण संस्थान की 30 वर्षों पुरानी परंपरा के तहत 5 और 6 नवंबर को साकेत एमजीएम स्कूल परिसर में दो दिवसीय भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा. इस वर्ष दीपोत्सव की थीम %काशी दर्शन-एक अनंत यात्रा% रखी गई है. इसके लिए विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में करीब 8500 वर्ग फीट क्षेत्र में आकर्षक %काशी लोक% तैयार किया है.

इस भव्य आयोजन में विशाल रंगोलियों के माध्यम से काशी की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा. विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा से विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती, गौरी केदारेश्वर, ओंकारेश्वर, बाबा विश्वनाथ और ढुंढिराज गणेश सहित काशी के तीनों खंडों एवं प्रमुख आस्था केंद्रों को रंगों के माध्यम से जीवंत रूप दिया है. रंगोलियों के जरिए दर्शकों को काशी नगरी की आध्यात्मिक अनुभूति कराने का प्रयास किया गया है.संस्थान के अध्यक्ष अतुल शाह ने बताया कि दीपोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की कला, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का संगम है. संस्थान पिछले 30 वर्षों से इस परंपरा को नगरवासियों के साथ मिलकर निभा रहा है.डायरेक्टर डॉ. कुशाग्र दीक्षित ने कहा कि बच्चों ने काशी के इतिहास, संस्कृति और आस्था को रंगोली के माध्यम से प्रस्तुत किया है. प्राचार्य जीडी पाटिल एवं विद्यालय परिवार ने अभिभावकों और नगरवासियों से आयोजन में शामिल होकर इस अनूठे काशी दर्शन का अनुभव लेने की अपील की है.

चेहरे पर बदलते रंग, हर बार नया किरदार...बहुरूपिया कर रहा मनोरंजन

- कभी भील तो कभी पागल बनकर लोगों के बीच पहुंचते हैं कलाकार
- 40 साल से बहुरूपिया कला को जिंदा रखे हैं गुलजार भाट



नवभारत न्यूज

सिरोंज। बाजार की भीड़ के बीच अचानक कोई फकीर नजर आता है, तो कभी कोई अजीब वेशभूषा में पागल जैसा अभिनय करता दिखाई देता है। पहली नजर में लोग उसे देखकर चौंक जाते हैं, लेकिन जब उसके हावभाव और बोलने का अंदाज देखते हैं तो समझ आता है कि यह बहुरूपिया कला का ऐसा कलाकार है, जो अपने चेहरे और अभिनय से हर बार एक नया किरदार जीवंत कर देता है। आधुनिक मनोरंजन के साधनों के बीच सिरोंज में इन दिनों राजस्थान के 66 वर्षीय गुलजार भाट अपनी इसी कला से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं.

राजस्थान के सीकर जिले के एक गांव के रहने वाले गुलजार भाट के लिए बहुरूपिया कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन का हिस्सा बन चुकी है। वह बताते हैं कि पिछले करीब 40 वर्षों से इस कला के जरिए लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। इस कला की शुरुआत उन्होंने अपने पिता के सानिध्य में की थी। बचपन में पिता के साथ अलग-अलग स्थानों पर जाते और उनके प्रदर्शन को देखते हुए धीरे-धीरे खुद भी इस कला में पारंगत होते गए। समय के साथ यह शौक उनका पेशा बन गया.गुलजार भाट जब किसी नए किरदार में सामने आते हैं तो उनके लिए अपनी असली पहचान छिपाना भी अभिनय का हिस्सा होता है। कभी धार्मिक और पौराणिक पात्रों का रूप धारण करते हैं तो कभी फिल्मों के किरदारों को अपने अंदाज में प्रस्तुत करते हैं। भील, पागल सहित पौराणिक एवं फिल्मी पात्रों पर आधारित रूपों में उनका अभिनय लोगों को खासा आकर्षित करता है। उनके हावभाव, बातचीत और पहनावे में इतनी बारीकी होती है कि कुछ समय के लिए देखने वाले भी किरदार को वास्तविक समझने लगते हैं. गुलजार भाट राजस्थान और मध्यप्रदेश के कई शहरों और कस्बों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं.

एक किरदार के लिए घंटों की तैयारी

गुलजार बताते हैं कि बहुरूपिया बनना केवल कपड़े बदल लेना नहीं है। किसी भी किरदार को जीवंत करने के लिए करीब दो से तीन घंटे की तैयारी करनी पड़ती है। चेहरे का रंग-रूप बदलने से लेकर वेशभूषा, हावभाव और बोलने के अंदाज तक हर चीज पर मेहनत करनी होती है। जब तक किरदार पूरी तरह तैयार नहीं हो जाता, तब तक वह लोगों के सामने नहीं आते।



ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से सड़क नामकरण का बोर्ड क्षतिग्रस्त

नवभारत न्यूज

सिरोंज। शहर के मंडी रोड पर सड़क नामकरण के लिए लगाया गया सूचना बोर्ड ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से क्षतिग्रस्त होकर सड़क किनारे गिर पड़ा। गनीमत रही कि घटना के समय वहां से कोई राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था.

जानकारी के अनुसार नगर पालिका द्वारा शहर की विभिन्न सड़कों का नामकरण कर उनके नाम से संबंधित सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं। इसी क्रम में मंडी रोड का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग रखा गया है। इसके लिए सड़क पर सूचना बोर्ड लगाया गया था। बताया जा रहा है कि एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर लगने से बोर्ड क्षतिग्रस्त हो गया और सड़क किनारे गिर पड़ा। इससे वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों के लिए हादसे की आशंका बन गई। इस संबंध में नगर पालिका सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि ट्रॉली की टक्कर से बोर्ड क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है। बोर्ड को दुरुस्त कराकर पुन: स्थापित कराया जाएगा.

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए वनरक्षक सम्मानित

नवभारत न्यूज

सिरोंज। सिरोंज निवासी वनरक्षक भूपेंद्र शर्मा को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। उनको प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। वर्तमान में भूपेंद्र शर्मा रायसेन जिले के अब्दुल्लागंज वन क्षेत्र में पदस्थ हैं। उनकी इस उपलब्धि पर सिरोंज क्षेत्र



में हर्ष का माहौल है और परिचितों व शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है.

42 वर्ष की सेवा के बाद बिजली कंपनी के लेखपाल प्रेम प्रकाश चौबे सेवानिवृत्त

नवभारत न्यूज

कुरवाई। बिजली कंपनी में लेखपाल ग्रेड-1 के पद पर कार्यरत प्रेम प्रकाश चौबे 42 वर्ष का सेवाकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए. उनकी सेवानिवृत्ति पर कुरवाई के उत्सव गार्डन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया.

समारोह में बिजली कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ नगर के प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों, अधिवक्ताओं, प्रतिभा साहित्य परिषद के कवियों और शायरों, विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों ने पुष्पहार और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया. वक्ताओं ने उनके 42 वर्षों के सेवाकाल की सराहना करते हुए ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और कार्य के प्रति समर्पण को प्रेरणादायक बताया.कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा साहित्य परिषद के संचालक एवं अधिवक्ता ओमप्रकाश आर्य तथा आदर्श शिक्षक एवं पूर्व सैनिक प्रमोद सिंह चौहान ने किया. आभार रजत चौबे ने व्यक्त किया.



नकबजनी के तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, सोने की अंगूठी, नकदी और बाइक बरामद

नवभारत न्यूज

नटेरन. थाना पुलिस ने नकबजनी के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया है. आरोपियों के कब्जे से सोने की एक अंगूठी, 5 हजार रुपए नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की गई है. इसके अलावा आगजनी और एससी-एसटी एक्ट के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है.

पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 को ग्राम खडेर निवासी संजीव पिता दशरथ सिंह राजपूत ने घर से नकदी और सोने की अंगूठी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी. इस पर थाना नटेरन में अपराध क्रमांक 275/2026 के तहत बीएनएस की धारा 305(ए) और 331(4) में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई.

एसपी रोहित काशवानी के निर्देशन, एएसपी मोनिका तिवारी एवं एसडीओपी शिखा भलावी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए तीन आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया. इनमें प्रद्युम्न मीणा निवासी सोमवारा, राहुल राठौर निवासी पंचपीर वार्ड गंजबासौदा और दीपक राठौर निवासी लाल पठार गंजबासौदा शामिल हैं.पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रद्युम्न मीणा के खिलाफ पूर्व से आगजनी और एससी-एसटी एक्ट का मामला भी दर्ज था. 28 जुलाई 2026 को फरियादी के टपरे में रखे सामान में आग लगाने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 198/2026 दर्ज किया गया था. इस मामले में भी उसकी गिरफ्तारी की गई है.कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार सहित उपनिरीक्षक शालिकराम प्रजापति, लालबहादुर सिंह एवं पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही.

सेंट जोसेफ स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित, विद्यार्थियों ने मॉडल के जरिए दिखाई वैज्ञानिक सोच

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार 31 अक्टूबर को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इसमें विद्यार्थियों ने विज्ञान से संबंधित विभिन्न आकर्षक मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच का परिचय दिया.

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल प्रदर्शित किए. आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ जिज्ञासा, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान को प्रोत्साहित करना था. विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से विज्ञान के सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझाने का प्रयास किया.प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह दिखाई दिया. शिक्षकों और अभिभावकों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया. विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और किताबी ज्ञान को व्यवहार में उतारने का अवसर प्रदान करते हैं.विद्यालय परिवार ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया.



हड़ताल | **दीपावली से पहले जगह-जगह लगे कचरे के ढेर, कचरा वाहन भी कचरा लेने नहीं पहुंचे**

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित

नवभारत न्यूज

सिरोंज। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के प्रदेशव्यापी हड़ताल के समर्थन में सिरोंज के सफाई कर्मचारी भी बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर शहर की सफाई व्यवस्था पर दिखा। शहर के विभिन्न इलाकों में नियमित सफाई नहीं होने और कचरा संग्रहण वाहन नहीं पहुंचने से जगह-जगह कचरे के ढेर लगे दिखाई दिए। दीपावली का त्योहार नजदीक होने के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से नागरिकों की परेशानी बढ़ने की आशंका है.

दीपावली को देखते हुए इन दिनों शहर के घरों, दुकानों और



व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई का दौर चल रहा है। लोग त्योहार की तैयारियों के लिए घरों और दुकानों की सफाई कर रहे हैं, जिसके चलते सामान्य दिनों की तुलना में अधिक मात्रा में कचरा निकल रहा है। ऐसे समय में सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने से शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। बुधवार को कई स्थानों पर कचरा एकत्रित दिखाई दिया। वहीं घरों और दुकानों से कचरा लेने आने वाले वाहन भी नियमित रूप से नहीं पहुंचे, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा.हड़ताल के दौरान सफाई कर्मचारी नगर पालिका कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध जताया। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी समस्याएं और मांगें लंबित हैं, लेकिन उनका निराकरण नहीं किया जा रहा है। इसी के चलते प्रदेश संगठन के आह्वान पर प्रदेशभर के सफाई कर्मचारी हड़ताल कर रहे हैं। सिरोंज के कर्मचारियों ने भी इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी मांगों के समर्थन में काम बंद रखा है। संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष आकाश सहेले ने बताया कि सफाई मजदूरों की विभिन्न मांगों और समस्याओं को लेकर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस द्वारा प्रदेशव्यापी हड़ताल की जा रही है। इसी के समर्थन में सिरोंज के सफाई कर्मचारी भी बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार जब तक कर्मचारियों की मांगों का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इधर, त्योहार के ठीक पहले सफाई व्यवस्था प्रभावित होने से शहरवासियों की चिंता बढ़ गई है। यदि हड़ताल लंबी खिंचती है तो आने वाले दिनों में बाजारों, रहवासी क्षेत्रों और सार्वजनिक स्थानों पर कचरे की समस्या और बढ़ सकती है। वहीं सीएमओ रामप्रकाश साहू का कहना है कि सफाई कर्मचारी बुधवार को हड़ताल पर रहे हैं। दीपावली का त्योहार नजदीक है, शहर की साफ सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए वैकल्पिक प्रयास किये जा रहे हैं.

